संत और भगवान के बीच समानता का संबंध है। हिंदू के अनुसार इस संबंध के चार विरोधाभासी पहलू हैं।

1. भगवान संत से बडा है।
2. संत भगवान से बडा है।
3. संत और भगवान समान है।
4. उपरोक्त सभी गलत हैं।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

आइए एक-एक करके जांचें।
भगवान सबसे बड़ा है। कोई भी उसके बराबर ही नही है तो उससे बडा नहीं होने का सवाल ही नही पैदा होता। इसलिए पहला विकल्प मान्य है।

भगवान हर जगह मौजूद है, हमारे अंदर भी बैठा है लेकिन हम उससे कोई लाभ नहीं ले सकते। हम उसे नहीं देख सकते। हम उसके शब्दों को नहीं सुन सकते। हम उसकी उपस्थिति महसूस नहीं कर सकते। लेकिन संत को देखा जा सकता है, उससे बात की जा सकती है। वह हमें सिद्धांत समझाता है। हमारे संदेह मिटाता है। हमारे मन की सफाई करने का काम करता है। मन शुद्ध होने के बाद मन को दिव्य बनाता है और अंत में मन को अनन्त आनंद से भरने तक का पूरा काम संत ही करता है। इसलिए जीव के मतलब के हिसाब से दूसरा विकल्प मान्य है कि संत भगवान से बडा है।
गुरू गोविंद दोऊ खडे, लागू काके पाव
बलिहारी वा गुरू की जिन गोविंद दियो मिलाय

तीसरा विकल्प इस तथ्य पर आधारित है कि शाश्वत आनंद या भगवान को प्राप्त करने पर, भगवान संत को सबकुछ दे देते है जो उनके पास है - अनंत जीवन, अनंत ज्ञान, अनंत आनंद। अतः भगवान और संत में

कोई अंतर नही रह जाता और इसलिए यह कहा गया कि दोनों समान हैं।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

चौथा विकल्प इस बात पर आधारित है कि भगवान को प्राप्त करने पर, संत के सभी कार्यों को सीधे भगवान द्वारा नियंत्रित किया जाता है जबकि हमारे कार्यों को माया द्वारा नियंत्रित किया जाता है। इस प्रकार एक संत के लिए, प्रत्यक्ष कर्ता ईश्वर है और संत खुद नहीं है। इसका मतलब ये हुआ कि संत कुछ करता ही नही। संत के कार्य का कर्ता भगवान है। यानी संत और भगवान में कोई भेद है ही नही। जिसका अर्थ है कि कर्ता के हिसाब से दो व्यक्तित्वों का कोई सवाल नहीं है। जब दो व्यक्तित्व है ही नही तो छोटे, बडे या समान होने का कोई सवाल ही नही है। इस प्रकार चौथा विकल्प सच है। संत और भगवान एक ही हैं।

भगवान कहते है कि 'संत मै ही हूँ।' इसलिए संत के कार्य दिव्य हैं। लेकिन वास्तविक संत की प्राप्ती होना आसान नहीं है। तो क्या करना है? जो अभी तक बताया गया - निष्काम और अनन्य भाव से भगवान की क्षण क्षण सतत भक्ति करना है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132